प्रारम्भिक सम्बोधन

माननीय सदस्यगण, भारत के संविधान के अधीन संगठित चतुर्दश बिहार विधान सभा के पंचम् सत्र का सत्र आरम्भ होने पर आप सबों का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ। संसदीय लोकतंत्र के गरिमा की अभिरक्षा हेतु वर्तमान परिवेश में लोक हित एवं प्रदेश हित के लिए विधायी निकायों की भूमिका अहम हो गयी है । मेरा आग्रह है कि आप सत्र में सौहार्दपूर्ण वातावरण कायम रखकर सभा के कार्य संचालन में आसन को पूर्ण सहयोग प्रदान करने की कृपा करेंगे ।